प्रश्न 1.

ज़मीन कौन खोद रहा था?

उत्तर:

एक बूढ़ा आदमी।

प्रश्न 2.

बूढ़े आदमी क्या बो रहे हैं?

उत्तर:

आम की गुठलियाँ।

प्रश्न 3.

नौजवान के प्रश्न पर बूढ़े का उत्तर क्या था?

उत्तर:

भविष्य में दूसरों की भलाई के लिए आम की गुठलियाँ बो रहा हूँ।

प्रश्न 4.

पूर्वजों के मनोवृत्ति का फल क्या है?

उत्तर:

वर्तमान के लोगों के लिए भलाई होती है।

प्रश्न 5.

लेखक ने सुंदर स्वभाव की परिभाषा कैसे दी है?

उत्तर:

अशा दूसरों को सुख और आनंद पधुंचानेवाले सात्विक आनंद का स्वभाव।

प्रश्न 6.

हमारे पूर्वजों की इसी मनोवृत्ती का फल है, जो हम जगह-जगह अमराई देखते हैं। कौन-सी मनोवृत्ति?

उत्तर:

अपने स्वार्थी जीवन को त्यागकर दूसरों को सुख और आनंद पहुँचाने के सुंदर स्वभाव की मनोवृत्ति ।

प्रश्न 7.

बूढ़ा आदमी का 'आम की गुठलियाँ बोना' घटना का मुख्य आशय क्या है?

उत्तर:

हमें दूसरों को सुख और आनंद पहूँचानेवाले सात्विक आनंद के स्वभाव अपनाना चाहिए।

प्रश्न 8.

मान लें, रेलगाड़ी में सफर करनेवाली वृद्ध संभ्रांत महिला की नज़र डिब्बे में चिपके हुए विज्ञापन पर पड़ती है जो रक्तदान के महत्व को रेखांकित करता है। संकेतों के सहारे वह विज्ञापन तैयार करें।

- समभाव
- सहिष्णुता
- मानव-प्रेम
- जीवनदान

उत्तर:

स्वास्थ्य मंत्रालय का विज्ञापन

'रक्तदान महादान है।'

भाईयो,..... बहनो,.....

रोगावस्था में पीड़ित भाई-बहनों से समभाव रखिए।

सहिष्णुता और अनुकंपा रखकर जान बचाने के लिए |

रक्तदान करके सहायता दीजिए। रक्तदान जीवनदान ही है!!

सरकारी रक्तदान केन्द्रों में जाकर खुशी से रक्तदान कीजिए!!

आपका रक्त कटेगा नहीं बढ़ेगा!! दूसरों की जान बचेगी।